

इस सप्ताह मोदी बिहार में पार्टी के चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे

इस अवसर पर पार्टी विक्रमगंज में एक रैली और रोड-शो करेगी तथा मोदी बिहार के लिए 50,000 करोड़ रुपये के पैकेज की भी घोषणा करेंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 26 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस सप्ताह बिहार में भारतीय जनता पार्टी का चुनाव प्रचार करने के लिये पूरी तरह तैयार हैं। वे प्रचार अभियान की शुरुआत विक्रमगंज जिले में एक जबरदस्त रोड शो तथा जनसभा से करेंगे। इस आयोजन में प्रधानमंत्री 50,000 करोड़ रु. के बहुत बड़े विकास-पैकेज की घोषणा करेंगे, तथा इस प्रकार काफी महत्वपूर्ण माने जा रहे इन विधानसभा चुनावों से पहले, वे राज्य में इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं कल्याणकारी कदमों की भाजपा की प्रतिबद्धता का संकेत देंगे।

लेकिन इस प्रचार अभियान की शुरुआत एक ऐसे समय पर हो रही है,

- पर, यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि भाजपा व उसकी सहयोगी पार्टी जनता दल (यू) के बीच विधानसभा सीटों के बंटवारे को लेकर भारी मतभेद उजागर हो रहे हैं।
- जद (यू) 243 विधानसभा सीटों में से 121 सीटों पर उम्मीदवार खड़ा करना चाहती है, जबकि भाजपा, नीतीश की पार्टी को 100 सीटों से ज्यादा नहीं देना चाहती।
- भाजपा चिंतित है, अगर सीटों के बंटवारे पर चल रही बात टूट गई तो काफी संकट खड़ा हो सकता है पार्टी के सामने। इन रणनीति विशेषज्ञों का आंकलन है कि अगर भाजपा को अकेले ही चुनाव लड़ना पड़ा तो साठ सीटें पाना भी मुश्किल होगा।
- सीटों पर बातचीत करने के लिए जद (यू) भी काफी गंभीर है और इसीलिए गत वीकेंड (शनिवार-रविवार) को नीतीश दिल्ली गये थे।
- दोनों पार्टियां चाहती हैं कि सीटों के बंटवारे पर चल रहा मतभेद जल्दी से जल्दी हल हो जाए और दोनों पार्टियां एकता की छवि पेश करते हुए, चुनाव मैदान में उतरें।

जब भाजपा और उसके प्रमुख मित्र दल जनता दल (यूनाइटेड) के बीच

आगामी चुनावों के लिये सीट-शेयरिंग फॉर्मूला को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा

है। वरिष्ठ जेडीयू नेताओं ने इस बात की (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उदयपुर में कोरोना के दो रोगी मिले

उदयपुर, 26 मई (का.स.)। उदयपुर में भी कोरोना की बापसी हो गई है। बीते दिन यहां कोरोना के दो मरीज सामने आए हैं। इनमें से एक ग्रामीण क्षेत्र से, जबकि एक मरीज शहरी क्षेत्र से संबंधित है।

जानकारी के अनुसार, एक मरीज को लेकर एम .बी.अस्पताल के अधीक्षक डॉ. आरएल.सुमन ने पुष्टि की है, जबकि दूसरे मरीज की पुष्टि

- एक मरीज ग्रामीण क्षेत्र भावली से है, जबकि दूसरा उदयपुर शहर का है।

मेडिकल कॉलेज की लैब से जयपुर भेजी गई रिपोर्ट के आधार पर हुई है। दोनों ही मरीज फिलहाल अपने-अपने घरों पर क्वारंटाइन हैं और उपचार ले रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, जो दो मरीज कोरोना पॉजीटिव आए हैं, उनमें एक मावली क्षेत्र का है। इस बाबत डॉ. सुमन के अनुसार, मावली में आठ दिन पहले कोविड पॉजीटिव मरीज सामने आया था। वह फिलहाल घर पर क्वारंटाइन होकर उपचार ले रहा है, जबकि दूसरा मरीज उदयपुर शहर का बताया जा रहा है, जिसने जुकाम और बुखार होने पर मेडिकल कॉलेज की लैब में स्वयं की (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पत्नी की हत्या के अभियुक्त को आजीवन कारावास

जयपुर, 26 मई। सत्र न्यायालय, महानगर द्वितीय ने आपसी झगड़े में पत्नी के गले में सुआ घोंपकर उसकी हत्या करने वाले अभियुक्त पति कानाराम को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने अभियुक्त पर पचास हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी रीटा तेजपाल ने अपने आदेश

- घटना के दिन मृतका ममता की बहन, जो उसकी जेठानी भी है, चिल्लाने की आवाज़ सुनकर उसके कमरे में गयी तो ममता खून से लथपथ पड़ी थी तथा अभियुक्त पति के हाथ खून से सने हुए थे।

में कहा कि पति-पत्नी के बीच मामूली कहासुनी स्वाभाविक है, लेकिन इस दौरान अभियुक्त ने पत्नी की हत्या कर दी। घटना में एक महिला को न केवल अपनी जान गंवानी पड़ी, बल्कि उसकी तीन साल की बेटी को हमेशा के लिए मां के त्याग से वंचित होना पड़ा। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से लोक अभियोजक संत कुमार ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर मृतका (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बाँग्लादेश की अंतरिम सरकार के खिलाफ विरोध उभरने लगा है

सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस पर लगातार दबाव बन रहा है कि आम चुनाव दिसम्बर में करवायें, जबकि यूनुस अगले वर्ष जून में करवाने के पक्ष में हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 26 मई। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मुहम्मद यूनुस के खिलाफ राजनीतिक नेताओं और सेना के बढ़ते विरोध के बीच, निर्वासित पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने यूनुस पर “देश को अमेरिका के हाथ बेचने” का आरोप लगाया है।
आवामी लीग के फेसबुक पेज पर पोस्ट किए गए एक ऑडियो संदेश में हसीना ने कहा कि सेंट मार्टिन द्वीप पर अमेरिका के नियंत्रण की प्रबल संभावना है। हसीना ने कहा, “मेरे पिता ने इस द्वीप की रक्षा के लिए अपने प्राण दिए और मैंने भी कभी सत्ता में बने रहने के लिए देश को बेचने की नहीं सोची।”

जहां एक ओर बांग्लादेश में हसीना सरकार के खिलाफ मुकदमे शुरू हो चुके हैं, वहीं निर्वासित प्रधानमंत्री ने यूनुस को “उग्रवादी नेता” बताया और अंतरिम सरकार द्वारा आवामी लीग पर लगाए गए प्रतिबंध को “अवैध और

- दूसरी ओर, पूर्व प्र.मंत्री शेख हसीना ने यूनुस पर आरोप लगाया कि वे बाँग्लादेश का सेंट मार्टिन आइलैंड, अमेरिका को बेचने की तैयारी में हैं। जबकि, शेख मुजीबुर रहमान इस टापू को बचाने के लिए अपनी जान देने को भी तैयार थे तथा यह पहली बार हो रहा है कि सत्ता में रहने के लिये नेता अपने देश को बेचने की कोशिश कर रहे हैं।
- इन दबावों से परेशान, अंतरिम सरकार के कर्ताधर्ता यूनुस ने अपना इस्तीफा देने की पेशकश भी की थी।
- सेनाध्यक्ष ज़मान व पूर्व प्र.मंत्री खालिदा जिया दोनों बाँग्लादेश की इस वर्तमान राजनीतिक स्थिति से काफी नाखुश हैं तथा दिसम्बर में आम चुनाव करवाने के पक्ष में हैं।
- यूनुस, अपनी खाल बचाने के लिए बार-बार भारत का डर दिखा रहे हैं तथा बाँग्लादेश में “युद्ध जैसी स्थिति” होने की बात कर रहे हैं।

असंवैधानिक” करार दिया।
पिछले कुछ सप्ताहों में, बांग्लादेश

में असंतोष और राजनीतिक अनिश्चितता (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने जज के घर से मिले कैश प्रकरण की रिपोर्ट सार्वजनिक करने से इन्कार किया

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि रिपोर्ट “कॉन्फिडेंशियल” है तथा रिपोर्ट सार्वजनिक करने से संसद के अधिकारों की मानहानि होने की संभावना है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 26 मई। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास पर नकदी मिलने के आरोपों के मामले में की गई आंतरिक जांच समिति की रिपोर्ट की प्रति राइट टु इन्फॉर्मेशन (आर.टी.आई.) अधिनियम के तहत

- जैसा कि विदित ही है, न्यायाधीश यशवंत वर्मा के बंगले से बरामद कैश के प्रकरण में मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने एक कमेटी गठित करके जाँच करवाई थी।

देने से इन्कार कर दिया है। ज्ञातव्य है कि इस संबंध में इलाहबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा को दोषी ठहराया गया था।

आरटीआई याचिका में यह भी अनुरोध किया गया था कि भारत के तत्कालीन उच्च न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी को भेजे गए पत्रों की प्रतियां प्रदान की जाएं तथापि, सुप्रीम कोर्ट ने इन दस्तावेजों के गोपनीय स्वरूप और संसद के विशेषाधिकारों के उल्लंघन की

संभावना का हवाला देते हुए यह जानकारी देने से इन्कार कर दिया। इस महीने की शुरुआत में, पूर्व (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यह कहने वाली महिला बैंक अधिकारी को दण्ड दिलवाने के लिए कर्नाटक के सभी पार्टियों के राजनीतिज्ञ व नेता संगठित हुए

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 26 मई। कर्नाटक में भाषाई विवाद की एक और घटना सामने आई इस बार का मामला स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की मैनेजर से जुड़ा है जिसे लेकर कर्नाटक के सभी राजनैतिक दल और कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश है। सभी ने यहां तक कि कांग्रेस नेताओं ने भी उक्त महिला मैनेजर के खिलाफ एक्शन लेने की मांग की।
उक्त महिला मैनेजर हिंदी में बात करने पर जोर दे रही थी और कह रही थी वह भारतीय है और सिर्फ हिंदी बोलेंगी, भले ही इससे स्थानीय कस्टमर, जिनकी सेवा के लिए उसे नियुक्ति मिली है, का अपमान ही क्यों न होता हो।
इस बैंक मैनेजर एक वीडियो, जिसमें वह ग्राहकों पर चिल्लाती दिख रही है और कह रही है कि वह सिर्फ हिंदी में ही बात करेगी, सोशल मीडिया पर

- इस दबाव के कारण एसबीआई मैनेजमेंट सरण्डर हुआ तथा महिला अधिकारी को अन्यत्र ट्रांसफर करने के लिए राजी हो गया।
- कर्नाटक के अनेकल तालुक की सूर्यनगर ब्रॉच में हुई घटना, मु.मंत्री तक पहुँची तथा उन्होंने कहा, “कन्नड़ भाषा का अनादर करने वाली ऐसी घटनाएं बहुत बार होने लगी हैं, यह निन्दनीय है तथा हम एसबीआई के मैनेजमेंट के आभारी हैं। उन्होंने उक्त बैंक अधिकारी का फटाफट ट्रांसफर किया तथा कन्नड़ भाषा के अनादर की ऐसी घटनाएं आगे नहीं होनी चाहिये।”

वायरल हो गया। इस व्यवहार ने स्थानीय लोगों और नेताओं को नाराज कर दिया, क्योंकि यह उन घटनाओं जैसा था जिनमें राज्य के बाहर से आने वाले खासतौर पर हिंदी भाषी शिक्षित और पेशेवर वर्ग के लोग स्थानीय भाषा और संस्कृति का अनादर करते हैं।
आक्रोशित स्थानीय जनता ने इस

अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। हाल के वर्षों में पहली बार भाजपा के एक प्रभावशाली नेता और पार्टी के भरते सितारे तेजस्वी सूर्या ने भी कन्नड़ और कर्नाटक के समर्थन में स्टैंड लिया, जबकि उनकी पार्टी का कोई नेता शायद ही कभी लेता है।
(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोटपूतली में बेतरतीब तोड़फोड़ के मामले में स्थानीय जनता को अब इंसाफ मिला

सब हैडिंग-24-हाई कोर्ट ने कहा, राज्य सरकार कमेटी बनाए, याचिकाकर्ताओं से आपत्तियाँ ले और सुनवाई का मौका देकर कानून के अनुसार निर्णय करे

-यादवेंद्र शर्मा-
जयपुर, 26 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने नगर पालिका कोटपूतली द्वारा की गई बेतरतीब तोड़फोड़ को कानूनी रूप से सही नहीं माना। कोर्ट ने कहा कि कोटपूतली में सड़क चौड़ी करने के लिये निर्माण तोड़ने के मामले में राज्य सरकार कमेटी गठन करे, जो कानूनी प्रक्रिया अपनाते हुए ही कार्यवाही करे। इस मामले में नगर पालिका ने नेशनल हाईवे से विवेकानंद स्कूल तक सड़क चौड़ी करने के लिये 150 लोगों के घरों और दुकानों की तोड़फोड़ की थी।
जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश इस संबंध में दायर 12 दर्जन याचिकाओं पर सुनवाई

- कोर्ट के आदेश के अनुसार, जिन लोगों के पास कानूनी पट्टे हैं, अगर उनकी ज़मीन की जरूरत पड़ती है तो उन्हें मौजूदा दरों के साथ उचित मुआवज़ा दिया जाएगा और वर्तमान में चल रही सरकारी योजना में पात्रता के अनुसार भूमि आवंटित की जा सकती है।
- नगर पालिका ने कहा कि हमने तो कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्यवाही की है। याचिकाकर्ताओं को नोटिस जारी किए थे, आपत्तियाँ प्रस्तुत करने का मौका दिया था, पर, लोगों ने नोटिस लेने से मना कर दिया।
- हाई कोर्ट ने नगर पालिका के तर्कों पर संदेह जताया। हाई कोर्ट ने पाया कि जुलाई 2022 में सभी याचिकाकर्ताओं को जो नोटिस दिए गए थे, उन पर तकरीबन दो ही गवाहों के हस्ताक्षर थे, इससे पूरी प्रक्रिया की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर संदेह उत्पन्न होता है।

करते हुए दिए। याचिककर्ताओं की ओर से अदालत को बताया कि याचिकाकर्ताओं

के पास भूमि का पंजीकृत विक्रय पत्र है। वहीं कुछ याचिकाकर्ताओं के पास खेतड़ी रियासत की ओर से जारी पट्टा

है। याचिकाकर्ता अपनी संपत्तियों पर नियमानुसार काबिज भी हैं। मास्टर प्लान में यहां रोड की चौड़ाई साठ फीस

से कम है। इसके बावजूद भी यहां अस्सी से सौ फीट चौड़ी सड़क निर्माण के लिए याचिकाकर्ताओं के कब्जे हटाए जा रहे हैं।

इस मामले में नगर पालिका की ओर से कहा गया कि हमने तो कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्यवाही की है और याचिकाकर्ताओं को नोटिस जारी किये थे और आपत्तियां प्रस्तुत करने का मौका दिया था, पर इन्होंने नोटिस लेने से ही मना कर दिया। इस पर हाईकोर्ट ने नगर पालिका के द्वारा प्रस्तुत तर्कों पर संदेह जताया कि उन्होंने याचिकाकर्ताओं को नोटिस दिये थे।

हाईकोर्ट ने पाया कि नोटिस पर गवाहों के हस्ताक्षर कथित रूप से (शेष अंतिम पृष्ठ पर)



SHETH BROTHERS
BHAVNAGAR



KAYAM
CHURNA



KAYAM
CHURNA



कायम चूर्ण



ककज और गैस में मददगार



एरिंडिटी और बवासीर की समस्या में सहायक



अपच में मददगार



पेट की समस्या में मददगार



अजवाइन



बिथोत



SHETH BROTHERS



30- GIDC, वित्तलवाडी, भावनगर - ३६४००१, गुजरात



मेडिकल स्टोर्स, आयुर्वेदिक दुकानों और प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध।



अधिक जानकारी के लिए टोल-फ्री नंबर पर कॉल करें।



1800 419 0807



contact@kayamchurna.com



SHETH BROTHERS



30- GIDC, वित्तलवाडी, भावनगर - ३६४००१, गुजरात



मेडिकल स्टोर्स, आयुर्वेदिक दुकानों और प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध।



अधिक जानकारी के लिए टोल-फ्री नंबर पर कॉल करें।



1800 419 0807



contact@kayamchurna.com

CMYK

● ● ● ●

⊕

● ● ● ●

⊕

● ● ● ●

⊕

● ● ● ●

CMYK

आठवीं बोर्ड का परीक्षा परिणाम जारी, लड़कियों ने इस बार भी बाजी मारी

इस बार रिजल्ट 96.88 परसेंट रहा है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 0.94 परसेंट ज्यादा है

बीकानेर/पाली, (निसं)।

राजस्थान शिक्षा विभाग ने आठवीं बोर्ड परीक्षा का रिजल्ट जारी कर दिया है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सोमवार को पाली जिले के रानी डीआईटी केन्द्र से प्रारंभिक शिक्षा पूर्णता प्रमाण पत्र कक्षा 8 का परीक्षा परिणाम जारी किया। राज्य में 8वीं बोर्ड का परीक्षा परिणाम 96.66 प्रतिशत रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 0.94 परसेंट ज्यादा रहा है। इस बार भी लड़कियों ने बाजी मारी है। लड़कियों का रिजल्ट 97.24 परसेंट रहा है, जबकि लड़कों का रिजल्ट 96.14 परसेंट रहा। विभिन्न कारणों से 881 स्टूडेंट्स का रिजल्ट रोक लिया गया है।

राजस्थान में सबसे शानदार रिजल्ट सीकर जिले का रहा है। जहां 98.96 परसेंट रिजल्ट रहा है। वहीं दूसरे नंबर पर दौसा जिला रहा है, जिसका 98.62 परसेंट और तीसरे नंबर पर अजमेर रहा जिसका रिजल्ट 98.17 परसेंट है। वहीं बीकानेर 18वें नंबर पर रहा है। राजस्थान में सबसे कम पास वाले स्टूडेंट्स धौलपुर के रहे, जहां 93.37 परसेंट रिजल्ट रहा है। नीचे के तीन जिलों में बारां का रिजल्ट 93.37 परसेंट और पाली का 94.17 परसेंट रहा है। शिक्षा विभाग



शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने पाली जिले के रानी डीआईटी केन्द्र से प्रारंभिक शिक्षा पूर्णता प्रमाण पत्र कक्षा आठ का परीक्षा परिणाम जारी किया।

की ओर जारी परिणाम में चार ग्रेड दिए गए हैं। इसमें सबसे ज्यादा 52.38 प्रतिशत स्टूडेंट्स को बी ग्रेड मिला है, जबकि 24.46 परसेंट स्टूडेंट्स को सी ग्रेड मिला है। ए ग्रेड वाले स्टूडेंट्स की संख्या 17.65 परसेंट है। महज 0.17 परसेंट स्टूडेंट्स को ही डी ग्रेड मिला है।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर पाली से ऑनलाइन जुड़कर रिजल्ट घोषित किया। वहीं शिक्षा सचिव कृष्ण कुणाल

जयपुर से जुड़े। राज्य की सभी डाइट्स को भी पांच बजे ही ऑनलाइन रिजल्ट मिल जाएगा। शिक्षा विभागीय पंजीयक कार्यालय की ओर से आयोजित प्रारंभिक शिक्षा पूर्णता प्रमाण पत्र परीक्षा (कक्षा 8) का रिजल्ट इस बार भी ग्रेडिंग सिस्टम पर जारी होगा। स्टूडेंट्स को मार्क्स के बजाय ग्रेडिंग दिया जा रहा है। रिजल्ट साइट पर देखा जा सकता है। इसके अलावा प्राइवेट स्कूल पोर्टल पर भी रिजल्ट उपलब्ध रहेगा।

कक्षा-8 परीक्षा 20 मार्च से दो अप्रैल तक राज्य के समस्त जिलों में हुई। इस परीक्षा में कुल 12 लाख 64 हजार 618 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। शिक्षा विभागीय पंजीयक कार्यालय की ओर से ली गई इस परीक्षा का संचालन जिलों में डाइट्स के माध्यम से किया गया। कॉपी चैकिंग का काम भी डाइट्स स्तर पर हुआ। इसके बाद ऑनलाइन सभी के मार्क्स अपलोड किए गए। ये काम

■ **राजस्थान में सबसे शानदार रिजल्ट सीकर जिले का रहा, सबसे कम पास वाले स्टूडेंट्स धौलपुर के रहे**

■ **लड़कियों का रिजल्ट 97.24 परसेंट, लड़कों का रिजल्ट 96.14 परसेंट रहा, 881 स्टूडेंट्स का रिजल्ट रोका**

कुछ दिन पहले पूर्ण हो गया। रिजल्ट तैयार होने के बाद शिक्षा मंत्री से समय लिया गया।

आठवीं बोर्ड का रिजल्ट घोषित होने के बाद पांचवीं बोर्ड का परिणाम जारी होगा। इसके लिए तारीख अभी तय नहीं हो पाई है लेकिन इसी सप्ताह में ये रिजल्ट भी आ जाएगा। दरअसल, दोनों क्लास का एक साथ रिजल्ट देने पर कम्प्यूटर सिस्टम बिगड़ जाता है। इसलिए इस बार दोनों का अलग-अलग दिन रिजल्ट जारी होगा।

शिक्षा विभाग में विभिन्न संवर्गों की नियमित एवं रिव्यू डीपीसी आयोजित

बीकानेर, (निसं)। माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा सोमवार को अजमेर में विभिन्न पदों की विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान नियमित डीपीसी के तहत प्राचार्य पद की डीपीसी वर्ष 2024-25 में 2876 कार्मिकों, प्राध्यापक (वाणिज्य) डीपीसी (वर्ष 21-22 से 24-25) में 447 कार्मिकों प्राध्यापक-शाशि पद की डीपीसी (वर्ष 23-24 से 24-25) में 49 कार्मिकों, प्राध्यापक (गृहविज्ञान/ चित्रकला / कृषि) पद की डीपीसी (वर्ष 21-22 से 24-25) में 13 कार्मिकों एवं उपजिअिअ (शाशि) पद की डीपीसी वर्ष 2024-25 में 8 कार्मिकों, पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-1 पद हेतु 19 कार्मिकों एवं राज्य पुस्तकालयाध्यक्ष पद हेतु 1 कार्मिक का पदोन्नति हेतु चयन किया गया।

विभिन्न संवर्गों के भिन्न-भिन्न वर्षों की रिव्यू डीपीसी यथा व्याख्याता से प्रधानाचार्य 70 पद, उप-प्राचार्य से

प्राचार्य 1 हजार 278 पद, व्याख्याता से उप-प्राचार्य 25 पद, प्राध्यापक-शाशि 4 पद एवं विभिन्न वर्षों की प्राध्यापक-प्रधानाध्यापक रिव्यू डीपीसी में 17 पदों पर कार्मिकों का पदोन्नति हेतु चयन किया गया है। उक्त नियमित एवं रिव्यू डीपीसी के आयोजन से विभाग द्वारा प्राचार्य-4 हजार 224, उप-प्राचार्य-25, प्रधानाध्यापक-4, उप जिअिअ शाशि-8, राज्य पुस्तकालयाध्यक्ष-1, प्राध्यापक विभिन्न विषय-526, पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-1 के 19 पदों पर कार्मिकों का पदोन्नति हेतु चयन किया गया। इसी के साथ सोमवार को ही समस्त 9 संतलों के वरिष्ठ शा. शि. पद हेतु आयोजित नियमित डीपीसी वर्ष 2023-24 व 2024-25 हेतु 866 एवं पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-2 पद हेतु 286 कार्मिकों का पदोन्नति हेतु चयन किया गया।

समग्र रूप से राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के सदस्य प्रो. अय्यूब खान की अध्यक्षता, निदेशक माध्यमिक

शिक्षा आशिष मोदी, शासन कार्मिक विभाग से मनोनीत सदस्यों एवं संयुक्त निदेशक विभिन्न मण्डलों द्वारा सम्पन्न डीपीसी द्वारा विभाग में प्राचार्य, उप प्राचार्य, प्राध्यापक (विभिन्न विषय), उप जिअिअ (शाशि), प्राध्यापक (शाशि), वशाशि अध्यापक, राज्य पुस्तकालयाध्यक्ष एवं पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-1 सहित कुल 5959 कार्मिक पदोन्नति से लाभान्वित हुए हैं। यह पदोन्नतियां राज्य की शिक्षा व्यवस्था में र्क्त पदों को भरने एवं गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा व्यवस्था की सुनिश्चितता के लिए राज्य सरकार की प्रार्थमिकता की दिशा में महत्वपूर्ण एवं सकारात्मक कदम है। यह उपलब्धि राज्य सरकार की शिक्षण नेतृत्व में समर्पेशिता और समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने डीपीसी में नवपदोन्नत कार्मिकों को बधाई दी है और उनसे राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने में योगदान हेतु विशिष्ट प्रयास किये जाने की अपेक्षा प्रकट की है।

बिहारीजी मंदिर का पूर्व पुजारी और भाई गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। मथुरा गेट थाना पुलिस ने बिहारीजी मंदिर के पूर्व पुजारी और उसके भाई को गिरफ्तार किया है। 23 मई को बिहारीजी मंदिर परिसर का वीडियो सामने आया था, जिसमें मंदिर कुछ लोग फूहड़ गानों पर अश्लील तरीके से डांस कर रहे थे। पुजारी का छोटे भाई भी वीडियो में डांस करते दिखाई दे रहा था। वहीं पास में पुजारी भी खड़ा हुआ था।

एसपी मयदुल कच्छवाह ने बताया कि 23 मई को एक वीडियो सामने आया था। जिसमें कुछ लोग मंदिर परिसर में फूहड़ गानों पर अश्लील तरीके से डांस

■ **23 मई को मंदिर परिसर का वीडियो सामने आया था, जिसमें कुछ लोग फूहड़ गानों पर अश्लील तरीके से डांस कर रहे थे. पुजारी का छोटा भाई भी डांस करते दिखाई दे रहा था, पास में पुजारी भी खड़ा हुआ था**

कर रहे थे। वीडियो सामने आने के बाद देवस्थान विभाग ने इस मामले में एफआईआर दर्ज करवाई थी। वीडियो की जांच करने पर मंदिर के पुजारी मनेोज भारद्वाज और उसके भाई कृष्ण माधव की पहचान कर ली थी। जिसके बाद आज दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि

बिहारीजी मंदिर के पूर्व पुजारी मनेोज भारद्वाज के भाई ने मंदिर के नाम से एक समिति बनाई हुई है। उसकी भी जांच की जाएगी। साथ ही यह पता किया जाएगा कि, वह कब रजिस्टर्ड की गई थी, किसने दान किया और वह दान कहाँ गया। फिलहाल पूर्व पुजारी और उसके भाई का मेडिकल करवाया गया है।

बीएसएफ ने ऑपरेशन सिंदूर में पाक के नापाक इरादों को शिकस्त दी : आईजी गर्ग

जोधपुर, (कासं)। पहलगाम आतंकी घटना के बाद ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान के मंसूबों को नाकाम किया। सीमा पार से वेस्टर्न बॉर्डर की तरफ के बाइमेर, जैसलमेर, बीकानेर, श्रीगंगानगर इत्यादि सीमावर्ती जिलों में 413 ड्रोन दागी गई थी। उन सभी को भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने हवा में ही मार गिराया था। यह जानकारी राजस्थान फ्रंटियर, सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक एमएल गर्ग ने प्रेसवार्ता में दी।

उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में सीमा सुरक्षा बल की परिचालन क्षमता, खुफिया समन्वय और बल के जवानों के अदम्य साहस आदि के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीएसएफ ने आपरेशन सिन्दूर मे थल सेना और वायु सेना के साथ समन्वय कर अपना जलवा दिखाया और पाक के नापाक इरादों को शिकस्त दी। उन्होंने 23 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हुए नृशंस आतंकवाद को पड़ोसी देश द्वारा की गई एक कायरना हरकत बताया तथा कहा कि इसी के जवाब में भारत सरकार द्वारा 7-8 मई, 2025 को मध्यरात्रि को

■ **राज. फ्रंटियर, सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक एमएल गर्ग ने प्रेसवार्ता कर ऑपरेशन सिंदूर में सी. सु. बल की परिचालन क्षमता, खुफिया समन्वय और बल के जवानों के साहस आदि के बारे में जानकारी दी**

ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया गया, जिसमें सीमा सुरक्षा बल ने भी अपना बखूबी योगदान निभाया। पहलगाम नरसंहार के पश्चात महानिदेशक सीमा सुरक्षा ने पंक्षिमी सीमा पर संभावित खतरे का सटीक आंकलन कर बीएसएफ को पूरी तरह से तैयार रहने के लिए निर्देशित किया। महानिदेशक सीसुब ने महानिरीक्षक (ऑपरेशन) के साथ बीकानेर सेक्टर का दौरा किया व सीमा पर जवानों के बीच जाकर हालात का जानकारी ली। सभी सेक्टरों एवं वाहिनीयों को अंतर्राष्ट्रीय सीमा एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में उच्चतम स्तर की तैयारी, प्रतिक्रिया के लिए बल की ऑपरेशनल द्युटियों के लिए सतर्कता तथा मुस्तैदी का जायजा लिया। साथ ही सीमा सुरक्षा बल के खुफिया तंत्र को और मजबूत कर भारतीय सेना व एयर फोर्स के साथ समन्वय स्थापित कर ऑपरेशनल सूचनाओं के आदान-प्रदान करने के लिए निर्देशित किया

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने भारतीय सेना, वायु सेना व राजस्थान पुलिस के साथ अद्वितीय समन्वय और तालमेल बनाए रखा। राजस्थान फ्रंटियर के संपूर्ण संचालन क्षेत्र श्रीगंगानगर से लेकर जैसलमेर तक बीएसएफ ने देश की सेनाओं के साथ आवश्यक और रणनीतिक सूचनाओं का त्वरित एवं निर्बाध आदान-प्रदान सुनिश्चित किया। इसी दौरान सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के वरिष्ठ अधिकारियों को

सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात किया गया ताकि सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा सके। इसके अलावा सीमा के लोगों में सुरक्षा की भावना पैदा करना व उन्हें हर परिस्थिति के लिए तैयार रखा गया।

आईजी गर्ग ने बताया कि इस ऑपरेशन के दौरान हमारी महिला प्रहरीयों ने 7 दिन सीमा पर 24 घंटे तैनात रहकर बेहतरीन कार्य किया और सीमा पर पूरी मुस्तैदी से डटी रही। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों में चलाए जा रहे रणनीतिक अभियानों को लेकर पाकिस्तानी मीडिया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर झूठा और भ्रामक प्रचार फैलाया जा रहा था। इन झूठे प्रचारों का मुकाबला करने के लिए बीएसएफ ने सोशल मीडिया के माध्यम से सत्य और तथ्य आधारित जानकारी साझा करना शुरू किया। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर सफलता के बाद भारतीय सेना प्रमुख जनरल उषेंद्र द्विवेदी ने हाल ही में जैसलमेर में अग्रिम सीमा चौकियों का दौरा किया।

अधिकारिक दौरे के दौरान जैसलमेर बॉर्डर पर उक्तूच कार्य के लिए

बीएसएफ के सहायक कमांडेंट पी.के. मिश्रा व अन्य जवानों को कमेंडेशन डिस्क से सम्मानित किया गया। यह सम्मान बीएसएफ की उक्तूहता और समर्पण का प्रतीक है।

महानिरीक्षक गर्ग ने बताया कि बीएसएफ देश की प्रथम रक्षा पंक्ति है तथा हम हर चुनौती को दुरमन की आंखों में झाकते हुए स्वीकार करते हैं और सीमाओं पर चौकस रहते हैं। यह हमारा पवित्र कर्तव्य है कि हम अपनी जान की परवाह किए बिना देश की सुरक्षा में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दें। भारत की सरहद को कोई छू नहीं सकता क्योंकि इसकी निगहबान है हम सब की आंखें। सीमा पार से वेस्टर्न बॉर्डर की तरफ के बाइमेर, जैसलमेर, बीकानेर, श्रीगंगानगर इत्यादि सीमावर्ती जिलों में कुल 413 ड्रोन दागी गई थी। उन सभी को भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने हवा में ही मार गिराया था। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भी 22 वें अलंकरण समारोह के दौरान सीमा सुरक्षा बल की अभूतपूर्व साहसिकता, समर्पण और पेशेवर प्रतिबद्धता की सराहना की।

फर्जी वसियत मामले मे 10 हजार का इनामी गिरफ्तार

अपने ही नाना की फर्जी वसियत बनाकर जमीन हड़पने का मामला

सूरजगढ़, (निसं)। अपने ही नाना की फर्जी वसियत बनाकर जमीन हड़पने के मामले में तीन साल से फरार 10 हजार रूपए के इनामी आरोपी को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया

चिड़ावा कस्बे के टिल्ली मंदिर के समीप रहने वाले 42 वर्षीय नवनीत गुप्ता पुत्र जवाहरलाल गुप्ता समेत उसके परिवारजनों के खिलाफ डालमिया की ढाणी निवासी भागाराम सैनी व उसके पुत्र पवन कुमार ने सूरजगढ़ थाने में कूटरचित तरीके से अपने स्वर्गवासी नाना के नाम की फर्जी वसियत बनाकर जमीन हड़पने का मामला दर्ज करवाया था। पुलिस ने

■ **तीन साल से फरार इनामी आरोपी को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया**

इस मामले में जांच शुरू की। जिसके बाद पहले तो कई बार नवनीत गुप्ता को पृछताछ के लिए बुलाया गया और जिस वसियत के आधार पर वह जमीन पर दावा कर रहा था। उसकी मूल प्रति लाने के लिए कहा गया। लेकिन बार-बार नोटिस दिए जाने के बाद भी नवनीत नहीं आया और फरार हो गया। पुलिस ने इसके बाद नवनीत पर 10 हजार रूपए का इनाम घोषित किया था। सूरत से नवनीत को

एसएचओ हेमराज मीणा के नेतृत्व वाली टीम ने दस्तयाब किया। बताया जा रहा है कि इस मामले में कोर्ट ने नवनीत को दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा था। दो दिनों के पुलिस रिमांड पर नवनीत ने फर्जी वसियत उपलब्ध नहीं करवाई और कहा कि वह नष्ट हो गई।

इस मामले में नवनीत गुप्ता के पिता जवाहरलाल गुप्ता, भाई श्यामबिहारी गुप्ता, मां सुशीला देवी गुप्ता, मामा महेंद्र कुमार कसेरवाल, मौसी पुष्पा जालान झुंझुनूं, रंजना देवी सूरजगढ़, ईंदूदेवी सिंगड़ोदिया, नानी अनुसुइया कसेरवाल भी आरोपी है। इन नामों को लेकर भी नवनीत से पृछताछ की गई।

नाबालिग लड़की से दुष्कर्म

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिला मुख्यालय स्थित एक थाने में नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म का केस दर्ज हुआ है। तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। हालांकि अभी आरोपियों की उम्र की पुष्टि नहीं हो पाई है। पीड़िता जिले के ग्रामीण इलाके की रहने वाली है।

जानकारी के अनुसार दुष्कर्म की घटना अक्टूबर 2023 की बताई जा रही है। उस समय पीड़िता श्रीगंगानगर में हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही थी। रिपोर्ट में बताया गया कि आरोपियों के पास पीड़िता के आपत्तिजनक फोटो-वीडियो है। इनके आधार पीड़िता को ब्लैकमेल भी किया गया। परिजनों

को पूरे मामले की जानकारी ईस्टग्राम पर वीडियो देखकर मिली। वीडियो देखने के बाद परिजनों ने पीड़िता से बात की तो उसने पूरी घटना की जानकारी दी। बताया गया है कि पीड़िता की एक सहेली के जन्मदिन पर कैफे में दुष्कर्म की घटना हुई। मामले की जांच डीआईएसपी स्तर के अधिकारी कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार शिकायत के आधार पर पुलिस ने कैफे पर पहुंचकर रिपोर्ट तैयार की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अभी पीड़िता का मेडिकल मुआयना करवाया जाना है। इसके अलावा आरोपियों की उम्र की भी पुष्टि की जा रही है।

